www.tamsasanket.com
वर्ष: 05 || अंक 02 || लखनऊ
गुरुवार
02 अप्रैल 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:56
सूर्यास्त: 06:24
अधिकतम: 38°00
न्यूनतम: 26°00

पेज 03

विशेष समाचार

आगामी विधानसभा चुनाव केवल... >> पेज 02
लखनऊ कोर्ट को बम से उड़ाने की... >> पेज 04
हनी सिंह के मुंबई कॉन्सर्ट के...

ईरान ने बहरीन में अमेजन ऑफिस पर किया हमला

माइक्रोसॉफ्ट-एपल, गूगल भी निशाने पर, ट्रम्प बोले- ईरान से डील की कोई जरूरत नहीं

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका से सीजफायर की मांग की है। ईरान की नई लीडरशिप पहले के मुकाबले कम कट्टर और ज्यादा समझदार है। हालांकि, ट्रम्प ने साफ किया कि अमेरिका तुरंत सीजफायर नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि जब तक होर्मुज स्ट्रेट पूरी सुरक्षित नहीं हो जाता, तब तक अमेरिका अपना मिलिट्री ऑपरेशन जारी रखेगा। वहीं मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। UAE से LPG (रसोई गैस) लेकर आए दो टैंकर होर्मुज स्ट्रेट पार करके सुरक्षित रूप से भारत पहुंच गए हैं। पहला टैंकर BW TYR 31 मार्च को मुंबई पहुंचा। यह जहाज UAE के रास अल खैमाह से चला था और करीब 6 दिन में भारत पहुंचा। दूसरा टैंकर BW ELM 1 अप्रैल को न्यू मैंगलोर के पास पहुंचा। इन दोनों जहाजों में करीब 94,000 टन LPG और 50 से ज्यादा भारतीय नाविक भी मौजूद थे।

होर्मुज संकट पर ब्रिटेन की मेजबानी में 35 देशों की इमरजेंसी बैठक

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने घोषणा की है कि इस सप्ताह उनका देश 35 देशों की एक अहम बैठक की मेजबानी करेगा। इस बैठक का मकसद होर्मुज को फिर से खोलने पर चर्चा करना है। इस बैठक में दुनिया के कई बड़े देश शामिल होंगे और इसका मकसद इस बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते की सुरक्षा और भविष्य को लेकर समाधान निकालना है। कतर जैसे देश ने भी इस मुद्दे पर चर्चा में दिलचस्पी दिखाई है। भारत की इस बैठक में भागीदारी अभी तय नहीं हुई है, लेकिन संभावना जताई जा रही है। कि भारत इसमें शामिल हो सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम बोले- आने वाले महीने आसान नहीं होंगे

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा है कि इस युद्ध का असर आने वाले कई महीनों तक रहेगा। उन्होंने साफ कहा कि आने वाले दिन आसान नहीं होंगे और पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ रही हैं। अल्बानीज ने लोगों से कहा कि ज्यादा से ज्यादा पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें, ताकि ईंधन बचाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया इस युद्ध में शामिल नहीं है, लेकिन फिर भी वहां के लोगों को महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। इन दोनों जहाजों में कुल मिलाकर लगभग 94,000 टन LPG भारत पहुंची है। दोनों जहाजों पर 50 से ज्यादा भारतीय नाविक भी मौजूद थे।

सरकार के मुताबिक, अब तक 8 भारतीय जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट पार कर

बेरुत के दक्षिणी इलाके में इजराइल के हवाई हमले के बाद उठता धुआं।

जंग से मिडिल ईस्ट को 18 लाख करोड़ का नुकसान

यूनाइटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम (UNDP) ने कहा है कि मध्य पूर्व में चल रहा युद्ध पूरे इलाके की अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। उनकी रिपोर्ट के मुताबिक यह संघर्ष अब सिर्फ कुछ देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए बड़ा संकट बन गया है।

- रीजन की GDP 3.7% से 6% तक घट सकती है
- करीब 18 लाख करोड़ का नुकसान हो सकता है
- होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही 70% से ज्यादा घट गई
- तेल की कीमत करीब 120 डॉलर प्रति बैरल हो गई है
- 16 लाख से लेकर 36 लाख नौकरियों पर संकट

चुके हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान के पास जो यूरेनियम बचा है।

>> (शेष पेज 04 पर)

> *डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए किसी समझौते (डील) की जरूरत नहीं है। अमेरिका यह युद्ध 2 से 3 हफ्तों में खत्म कर सकता है। उन्होंने कहा- ईरान को कोई डील करने की जरूरत नहीं है। जब हमें लगेगा कि वे इतने कमजोर हो गए हैं कि कई सालों तक परमाणु हथियार नहीं बना सकते, तब हम वहां से निकल जाएंगे। डील हो या न हो, अब यह जरूरी नहीं है।*

अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने वाला बिल पास

लोकसभा में विदेशी अंशदान संशोधन विधेयक पर हंगामा

मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) बिल, 2026 पास कर दिया है। इस बिल के जरिए अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र और स्थायी राजधानी का कानूनी दर्जा मिलेगा। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह बिल पेश किया था। इस पर एक घंटे से ज्यादा बहस हुई, जिसके बाद इसे ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। इसके अलावा आज लोकसभा से जन विश्वास बिल और राज्यसभा से CAPF बिल भी पास हो गया। इससे पहले बुधवार को कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने विदेशों से चंदा मिलने वाले विदेशी अंशदान संशोधन बिल (FCRA) को

लेकर हंगामा किया। उन्होंने FCRA बिल वापस लो के नारे लगाए। स्पीकर ओम बिरला ने सांसदों से शांत रहने की अपील की, लेकिन विपक्षी सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर विरोध करते रहे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि आज FCRA बिल पर लोकसभा में बहस नहीं होगी। यह बिल विदेशी अंशदान (विनियमन) कानून में संशोधन से जुड़ा है।

>> (शेष पेज 04 पर)

बंगाल एसआईआर : 60 लाख में 47 लाख आपत्तियां निपटीं

एससी बोला- 7 अप्रैल तक सबका निपटारा होगा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के बाद 60 लाख आपत्तियों में से लगभग 47 लाख आपत्तियों का निपटारा 31 मार्च तक कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधबार को बताया कि उन्हें यह जानकारी 31 मार्च को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने लेटर से दी। हाईकोर्ट ने बताया गया है कि हर दिन लगभग 1.75 लाख से 2 लाख आपत्तियों को निपटाया किया गया। सभी लंबित आपत्तियों का निपटारा 7 अप्रैल तक पूरा होने की संभावना है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा, 'हम इन आंकड़ों से काफी खुश हैं।' सुप्रीम कोर्ट अब 6 अप्रैल को बंगाल SIR के खिलाफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करेगा।

बंगाल में SIR के बाद 28 फरवरी को फाइनल वोटर लिस्ट जारी हुई थी। इसमें 7.04 करोड़ वोटर के नाम थे। लगभग 60 लाख नाम न्यायिक जांच के दायरे में रखे गए। इन्हें वोटर लिस्ट में रखने या हटाने पर फैसले के लिए 705 न्यायिक अधिकारियों को नियुक्त किया गया था। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक, हाईकोर्ट ने बताया कि चुनाव आयोग ने 19 अपीलीय ट्रिब्यूनल गठित करने की अधिसूचना भी जारी कर दी है।

फास्ट न्यूज

जनगणना आज से, लिव-इन कपल शादीशुदा माना जाएगा

नई दिल्ली। जनगणना 2027 का पहला फेज आज (1 अप्रैल) से शुरू हो गया है। यह 30 सितंबर 2026 तक चलेगा। पहले फेज में 'हाउस लिस्टिंग' यानी मकानों की गिनती होगी। दूसरा फेज 'जनसंख्या गणना' फरवरी 2027 में होगा। इसमें लोगों से उनकी जाति पूछी जाएगी। आजादी के बाद पहली बार जाति का डेटा जुटाया जाएगा। इससे पहले 1931 में ऐसा हुआ था।

ईरान युद्ध के बीच लॉकडाउन का फेक नोटिस वायरल

नई दिल्ली। एक अप्रैल को सोशल मीडिया पर 'वॉर लॉकडाउन नोटिस' वायरल हुआ। इसके पीडीएफ के ऊपरी हिस्से पर सत्यमेव जयते के साथ अशोक चक्र दिख रहा है। जब इसे खोला गया तो यह 'अप्रैल फूल' का मजाक निकला। कई लोगों ने इसे फॉरवर्ड किया। हालांकि, दस्तावेज को खोलने पर इसके फेक होने की सच्चाई सामने आई। लॉकडाउन की अफवाहें प्रधानमंत्री मोदी के संसद में दिए गए बयान के बाद शुरू हुई थीं। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं।

दतिया विधायक राजेंद्र भारती को जेल

दतिया। मध्य प्रदेश के दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को दिल्ली MP-MLA कोर्ट ने भूमि विकास बैंक से जुड़े मामले में बुधवार को दोषी करार दिया है। न्यायालय ने उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत दोषी ठहराया। कोर्ट ने राजेंद्र भारती को तिहाड़ जेल भेज दिया है। विधायक राजेंद्र भारती ने अपनी मां के नाम बैंक में 10 .50 लाख रुपए की एफडी तीन साल के लिए कराई थी।

एनजीओ पर नियंत्रण कर अपनी कठपुतली बनाना चाहती है भाजपा

अखिलेश ने एफसीआर एक्ट के बहाने भाजपा को घेरा

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एनजीओ की विदेशी फंडिंग को नियमित करने के नाम पर लाए जा रहे Foreign Contribution (Regulation) Amendment 2026 पर भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने पूछा कि पीएम केयर्स फंड में विदेशों से आए पैसे का क्या होगा और इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से प्राप्त धन को भाजपा कब लौटाएगी, खासकर जब इलेक्टोरल बॉन्ड को ही अवैध घोषित कर दिया गया है। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा एनजीओ पर अवांछित नियंत्रण करके उन्हें अपनी कठपुतली बनाना चाहती है और धीरे-धीरे उनकी संपत्तियों

को हड़पना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार खुद तो कुछ करती नहीं है और जो सच्चे स्वतंत्र एनजीओ अच्छा काम कर रहे हैं, उन्हें भी नहीं करने देना चाहती है, क्योंकि कई बार गैर सरकारी संस्थाएं सरकार से ज़्यादा अच्छा काम कर दिखाती हैं, जिससे सरकार की नाकामी उजागर होती है। अखिलेश यादव ने यह भी पूछा कि विदेश से विधि-विधान से आ रहे धन पर तो प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं, लेकिन उस अकूत धन का क्या जो अवैध रूप से विदेश जा रहा है।

कांग्रेस के राजकुमार की हार की सेंचुरी पक्की : मोदी

ममता ने कहा- भाजपा हमारा पैसा लूट रही और झूठ बोल रही

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम/गुवाहाटी/। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि इस बार असम में बीजेपी-एनडीए की हैट्रिक लगनी तय है। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कांग्रेस के सो कॉल्ड राजकुमार की पराजय की सेंचुरी आने वाली है। पीएम धेमाजी के गोगामुख में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। वहीं, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बीरभूम में जनसभा की। उन्होंने कहा- जब बंगाल आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले रहा था, तब भाजपा का जन्म भी नहीं हुआ था। वे हमारा पैसा लूट रहे हैं और झूठ बोल रहे हैं। वे राम नवमी पर बंदूकें लेकर निकलते हैं। इधर, असम के डिब्रूगढ़ पहुंची कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- असम में डबल गुलामी वाली सरकार है, एक भ्रष्ट सरकार है। हम देख सकत हैं कि कैसे

सब कुछ धमकियों के जरिए किया जा रहा है। यहां माफिया राज और सिंडिकेट राज है। अधिकारियों के मुताबिक दोपहर करीब 2:10 बजे इलाके में मौसम खराब हो गया, जिससे लैंडिंग संभव नहीं हो पाई। इसके बाद ममता बुरवान से सड़क मार्ग के जरिए नबाग्राम के लिए रवाना हुईं, जहां उन्हें चुनावी सभा को संबोधित करना था। ममता बनर्जी इससे पहले बुरवान में एक जनसभा कर चुकी थीं और नबाग्राम की ओर जा रही थीं।

>> (शेष पेज 04 पर)

सीएम ममता बनर्जी ने कहा, जब बंगाल आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले रहा था, तब बीजेपी का जन्म भी नहीं हुआ था। वे हमारा पैसा लूट रहे हैं और झूठ बोल रहे हैं। वे राम नवमी पर बंदूकें लेकर निकलते हैं।

चुनाव से जुड़े बड़े अपडेट्स

- TMC ने बुधवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के पास लगातार दूसरे दिन अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया। पार्टी का आरोप है कि फॉर्म 6 आवेदन जमा करने में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं। चुनाव आयोग को इसकी जांच करनी चाहिए।
- पश्चिम बंगाल चुनाव के बशीरहाट में बरुनहाट रामेश्वरपुर ग्राम पंचायत के बूथ नंबर 30 पर 125 लोगों के नाम कटने पर स्थानीय लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया।
- पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने नादिया जिले के हंसखाली ब्लॉक के ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर (BDO) सयंतन भट्टाचार्य को सस्पेंड करने के आदेश दिए।
- तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में CM एम.के. स्टालिन ने कहा, 'मैं करुणानिधि का बेटा हूं। हम वही करते हैं जो कहते हैं और वही कहते हैं जो करते हैं।'
- पीएम मोदी ने असम में चुनाव प्रचार की शुरुआत की। उन्होंने धेमाजी और बिस्वनाथ में दो जगहों पर जनसभा की।

पीएम मोदी ने चाय बागान में पत्ती तोड़ी और महिला को रखने के लिए दी।

बागान में काम करने वाली महिलाओं ने मोदी के साथ सेल्फी भी ली।

ममता का हेलिकॉप्टर तूफान के कारण नबाग्राम में नहीं उतर सका

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का हेलिकॉप्टर बुधवार को मुर्शिदाबाद के नबाग्राम में खराब मौसम के कारण लैंड नहीं कर सका।

धमाका : ग्रेनेड फेंकने का वीडियो सामने आया, दावा- यह इसी अटैक का, 2 संदिग्धों की तलाश

पंजाब बीजेपी हेडक्वार्टर के बाहर ब्लास्ट

पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें भी मौके पर जांच में जुटी हुई हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में BJP के पंजाब मुख्यालय के बाहर बुधवार शाम 5 बजे ब्लास्ट हुआ। ब्लास्ट के बाद वहां पार्किंग में खड़ी कई गाड़ियों के शीशे टूट गए। BJP ऑफिस की दीवार पर 70 से 80 छर्रे जैसे निशान बन गए हैं। अब इसका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति ग्रेनेड की पिन खोलकर उसे फेंककर भाग रहा है। इस दौरान धमाके की भी आवाज सुनाई देती है। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो BJP ऑफिस पर हमले का है। इसके बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट भी वायरल हुई है, जिसमें इस ब्लास्ट की जिम्मेदारी खालिस्तानी

आतंकी सुखजिंदर सिंह बब्बर ने ली है। हालांकि, ब्लास्ट की सूचना मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस की कई टीमें मौके पर हैं। भारतीय सेना और NIA की टीम भी मौके पर आई है। बम व डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीमों के जरिए पूरे इलाके को खंगाला जा रहा है।

>> (शेष पेज 04 पर)

पुलिस को स्कूटी में धमाके का शक था

चंडीगढ़ की SSP कंवरदीप कौर ने कहा- पूरे मामले की जांच की जा रही है। अभी ब्लास्ट किसने और क्यों किया, इसमें कौन सा विस्फोटक यूज हुआ, इसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। हालांकि पुलिस को यहां खड़ी स्कूटी में भी धमाका होने का शक है, जिसके लिए क्रूड बम जैसी चीज यूज की हो सकती है।

पोस्ट में आगे लिखा है- बैंकों का इस्तेमाल करो। दसमेश पिता का खालसा पंथ इसकी उचित जवाबी कार्रवाई करेगा। गुरदासपुर में रणजीत सिंह के हत्यारे को भी नहीं बख्शा जाएगा। हमारे सिर पर दसमेश पिता का हाथ है।

पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें भी मौके पर जांच में जुटी हुई हैं।

आतंकी की पोस्ट में ये बातें लिखीं

इस वारदात की जिम्मेदारी एक खालिस्तानी आतंकी ने ली है। उसकी तरफ से लिखा गया है- सुखजिंदर सिंह बब्बर 1 अप्रैल 2026 को चंडीगढ़ सेक्टर-37 में हुए ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी लेता है। हम भारतीय सिस्टम को बताना चाहते हैं कि उसके पास पंजाब के सिख युवाओं को खत्म करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है।

यूपी से कूड़े की राजनीति बाहर

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोग्राम में सीएम योगी ने साधा निशाना

उद्घाटन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन दिनों चुनावी मोड में आते दिख रहे हैं। लगातार विपक्ष उनके निशाने पर है। नोएडा में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह के बाद से विपक्ष पर योगी का वार लगातार बढ़ रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निशाने पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस विशेष रूप से है। सीएम योगी ने बुधवार को लखनऊ में पर्यावरण अनुकूल कचरा प्रबंधन वाहनों के एक बेड़े को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य से कचरे की राजनीति को हटा दिया है। मुख्यमंत्री लखनऊ में सॉलिड वेस्ट

मैनेजमेंट को मजबूत करने के लिए करीब 250 इलेक्ट्रिक और सीएनजी से चलने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाने के बाद एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उनके निशाने पर अखिलेश यादव की पिछली सरकार रही। सीएम योगी ने कहा कि हमने और उत्तर प्रदेश के लोगों ने कचरे की राजनीति को उखाड़ फेंका है। पहले शासन और सोच दोनों गंदगी से भरे हुए थे, जिससे गंदगी और बीमारियां फैलती थीं। सीएम योगी ने प्रदेश में कचरा उठाव सिस्टम में आए बदलाव का भी जिक्र किया।

स्वच्छता से समृद्धि की बात

सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस मौके पर कहा कि स्वच्छता हमारे शहर और हमारे राज्य की समृद्धि का आधार है। लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन एवं क्लीन सिटी-ग्रीन सिटी की सिद्धि के लिए लखनऊ में पर्यावरण अनुकूल हरित ऊर्जा से संचालित 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएन वाहनों को फ्लैग ऑफ किया गया। सीएम ने कहा कि नवनिर्माण के 9 वर्षों में हमारा लखनऊ स्वच्छता रैंकिंग में देश के शीर्ष तीन शहरों में शामिल हुआ है।

C M Y K

सम्पादकीय

नक्सलवाद पर सरकार की सोच

अमीर क़ज़लबाश के इस शेर का मतलब भाजपा के लोग ही अब बेहतर समझेंगे और समझाएंगे। क्योंकि शासन भी उन्हीं का है, दावे भी उन्हीं के हैं और सच-झूठ ठहराने का हक भी उन्होंने अपने पास ही रखा है। देश की तमाम समस्याओं के लिए कांग्रेस को दोषी ठहराने का चलन भी भाजपा का ही है। फिर चाहे वह आतंकवाद हो, पड़ोसी देशों से संबंध हों, महंगाई या बेरोजगारी हो या नक्सलवाद हो। हर बात के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराना ही इस सरकार की खास पहचान है। बहरहाल, ऊपर लिखी इन पंक्तियों की याद केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के उस दावे के बाद आई, जिसमें भारत से नक्सलवाद को खत्म बताया गया है। पाठक जानते हैं कि अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक भारत को नक्सलमुक्त कराने की बात कही थी। और सोमवार 30 मार्च को लोकसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने देश को वामपंथी उग्रवाद से मुक्त करने के प्रयासों पर चल रही चर्चा के दौरान कहा कि सबसे पहले मैं रेड कॉरिडोर के नाम से पहचाने जाने वाले पूरे क्षेत्र, जिसमें 12 राज्य और 70 प्रतिशत का भूभाग शामिल थे, उसमें रह रही जनसंख्या की तरफ से सदन को धन्यवाद देना चाहता हूं। गृह मंत्री ने कहा कि आज बस्तर से नक्सलवाद लगभग-लगभग समाप्त हो चुका है। बस्तर के अंदर हर गांव में स्कूल बनाने की मुहिम चली। बस्तर के अंदर हर गांव में राशन की दुकान खोलने की मुहिम चली। मैं इतना ही पूछना चाहता हूं कि जो लोग कह रहे हैं कि अब तक आदिवासियों का विकास क्यों नहीं हुआ? तो, वो खुद बताएं कि 70 सालों से उन्होंने क्या किया? गृहमंत्री की कही इस एक पंक्ति से जाहिर हो गया कि भाजपा के लिए नक्सलमुक्त भारत बनाने की उपलब्धि का ज्यादा महत्व इसलिए है क्योंकि इसके जरिए कांग्रेस और वामदलों को घेरा जा सकता है। वर्ना नक्सलवाद देश के लिए एक ऐसी समस्या बनी हुई थी या अब भी है, जिसकी चपेट में न केवल कांग्रेस, बल्कि भाजपा, वामदल और कई क्षेत्रीय दल भी आए हुए हैं। प.बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार इन तमाम राज्यों में कांग्रेस, भाजपा अथवा क्षेत्रीय दलों की सरकारें रहीं और बरसों-बरस इन सभी सरकारों ने नक्सलियों से मोर्चा लिया। इनके नेता नक्सलियों के निशाने पर बने रहे। बेशक नक्सलवाद पर राजनीति करने के कारण ही इसका समाधान ढूंढने में कठिनाइयां हुईं। नक्सलियों को कभी मुख्यधारा में लाने की कोशिशें हुईं, कभी उनसे मुठभेड़ें हुईं, कभी नक्सलियों के शीर्ष नेताओं पर ईनाम रखे गए, कभी सलवा जुडूम जैसे उपायों से ग्रामीणों को अपने साथ लेकर सरकार ने मुकाबला करना चाहा। इन तमाम उपायों में कभी सफलता मिली, कभी असफलता, तो कभी गंभीर विवाद खड़े हुए। इसकी बड़ी वजह यही है कि नक्सलवाद को काले या सफेद रंग में बांट कर विश्लेषित नहीं किया जा सकता। यह एक गुत्थियों में उलझा हुआ मसला है, जिसके हरेक सिरे को बड़ी सावधानी से पकड़ने और अलग करने की जरूरत है। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों ने अक्सर वाहवाही बटोरने के लिए कठोर कार्रवाइयां करने का दावा किया और कई बार यह बताया कि नक्सली हताश हो चुके हैं, कमजोर पड़ चुके हैं। लेकिन फिर कोई बड़ा हमला होता तो सरकारें इसे कायरता का प्रतीक बताकर फिर इसे कुचलने का प्रण ले लेतीं। यह सिलसिला बरसों बरस चलता रहा। इसी में छत्तीसगढ़ बनने के बाद झीरम घाटी जैसा भयावह हमला भी हुआ, जिसमें राज्य कांग्रेस की पहली पंक्ति ही लगभग खत्म हो गई। इस दौरान सरकार भाजपा की थी, जबकि केंद्र में यूपीए सरकार थी। इस बड़े हमले से नक्सलवाद की गंभीरता को समझा जा सकता था, लेकिन तब भी एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप चलते रहे। इस बीच जिन कारणों से नक्सलवाद पनपा और फैला, उन पर सार्थक चर्चाएं न के बराबर रहीं। कोई आदिवासियों, गरीबों, मजदूरों के हक की बात करें तो उसे नक्सल समर्थक ठहरा दिया जाए, या वामपंथी विचारों का समर्थन करे तो उसे देशविरोधी की तरह देखा जाए, इसी मानसिकता को बढ़ावा दिया गया। अफसोस कि जब नक्सलवाद खत्म करने के दावे पर केंद्र सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है, वह तब भी इस मानसिकता से मुक्त नज़र नहीं आ रही है। चुनावी कवरेज ृत्अमित शाह ने संसद में वामदलों के बारे में जो कहा वो गौरतलब है, श्री शाह ने कहा कि 1969 में भारत में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी), या सीपीआई (मार्क्सवादी), की स्थापना हुई, इसका प्राथमिक उद्देश्य न तो राष्ट्र का विकास था और न ही नागरिकों के अधिकारों की रक्षा। इसके बजाय, पार्टी का संवैधानिक लक्ष्य चीन और रूस के उदाहरणों का अनुसरण करते हुए सशस्त्र विद्रोह के माध्यम से संसदीय प्रणाली को उखाड़ फेंकना था। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए वामपंथियों ने भोले-भाले आदिवासियों को बरगलाया। नक्सलवाद गरीबी के कारण नहीं फैला, बल्कि नक्सलवाद के कारण इन पूरे क्षेत्र में सालों तक गरीबी रही। नक्सलवाद की जड़ें गरीबी और विकास से जुड़ी नहीं है, वो वैचारिक है। इसके अलावा अर्बन नक्सल शब्द का इस्तेमाल करते हुए अमित शाह ने कहा, 'मैं उन अर्बन नक्सलों से सवाल करना चाहता हूं- इनके सभी आर्टिकल हथियार उठाकर घूमने वालों से बातचीत करने की बात करते हैं, लेकिन उनके द्वारा मारे गए निर्दोष लोगों के बारे में क्यों नहीं लिखते? एक भी आर्टिकल उस मां के लिए नहीं है, जिसके बच्चे को जबरन उठाकर नक्सली बना दिया गया, या उस किसान के लिए नहीं है जिसके पैर उड़ा दिए गए।

आगामी विधानसभा चुनाव केवल एक चुनाव नहीं बल्कि राजनीतिक परिपक्वता की पाँच अलग-अलग परीक्षाएँ हैं

> पुडुचेरी इतना छोटा है कि इसे कम करके आंका जा सकता है और राजनीतिक रूप से इतना महत्वपूर्ण है कि इसे कभी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। भाजपा के लिए, पुडुचेरी वैचारिक विस्तार की प्रयोगशाला से कम और सहयोगी शक्ति की परीक्षा अधिक है।

इन पाँच राज्यों में से एक है असम जहाँ भाजपा एक आशावान के रूप में प्रवेश नहीं करती, जो अपने पैर जमाने की तलाश में हो। वह यहाँ एक बदली हुई राजनीतिक जलवायु की वास्तुकार सत्तारूढ़ पार्टी के रूप में प्रवेश करती है। पिछले एक दशक में, राज्य एक ऐसे माहौल से आगे बढ़ा है जो कभी उग्रवाद, अनिश्चितता और असमान संपर्कता से प्रभावित था, अब यहाँ प्रशासनिक नियंत्रण, सड़कें, पुल, कल्याणकारी योजनाओं का वितरण और राज्य क्षमता की मजबूत भावना अधिक स्पष्ट रूप से दिखती है। यह परिवर्तन न तो पूर्ण है और न ही आलोचना से परे, लेकिन यह इतना वास्तविक है कि मतदाता 126 सीटों के इस चुनाव को जिस मूड के साथ देखते हैं, उसे आकार देता है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा इस कहानी के केंद्र में बने हुए हैं। उनकी सार्वजनिक शैली सीधी, राजनीतिक रूप से तीक्ष्ण और हस्तक्षेपकारी है। समर्थक उन्हें निर्णायक और ऊर्जावान मानते हैं, आलोचक उनमें केंद्रीकरण और अतिक्रमण देखते हैं। भाजपा के लिए, यह व्यक्तिगत नेतृत्व पूंजी इसलिए मायने रखती है क्योंकि असम अब पिछले चुनावों की तुलना में एक कठिन सवाल पूछ रहा है। मुद्दा अब केवल इतना नहीं है कि क्या पार्टी स्थिरता लाई। यह है कि क्या वह स्थिरता को समृद्धि की अगली पीढ़ी में बदल सकती है।संभावित फैसला अभी भी निरंतरता की ओर झुका हुआ है। बहुमत का आंकड़ा 64 है। हालाँकि, असम में भाजपा के लिए आगे सिर्फ एक और कार्यकाल नहीं है। यह आश्वासन की राजनीति से अपेक्षा की राजनीति में संक्रमण है। पश्चिम बंगाल इस चुनावी चक्र में सबसे अधिक भावनात्मक रंगमंच बन गया है, एक ऐसा राज्य जहाँ राजनीति केवल घटित नहीं होती बल्कि अपना अभिनय करती है। यहाँ, हर चुनाव अभियान स्मृति, पहचान, शिकायत, भाषा, प्रतीकवाद और सत्ता की वैधता पर एक प्रतिस्पर्धा भी है। इसलिए 294 सीटों का विधानसभा चुनाव सिर्फ दलों के बीच की दौड़ नहीं है। यह एक संघर्ष है कि कौन बंगालियों को बंगाल की कहानी सुनाएगा। चुनाव पूर्व भाजपा ने बंगाल को अपरिवर्तनीय रूप से बदल दिया है। वह अब कोई बाहरी व्यक्ति नहीं है जो कभी-कभार शोर मचाता हो। वह प्रमुख चुनौतीकर्ता है, वह मुख्य ध्रुव है जिसके इर्द-गिर्द तृणमूल विरोधी राजनीति अब संगठित है। पार्टी ने राज्य के बड़े हिस्सों में, विशेष रूप से जहाँ स्थानीय भ्रष्टाचार, हिंसा या बहिष्कार के खिलाफ शिकायत गुस्से में बदल गई है, कार्यकर्ताओं की ताकत बनाई है। उसने बंगाल में एक दूसरी शब्दावली बनाई है: संरक्षण के बजाय शासन, सिंडिकेट शक्ति के बजाय जवाबदेही, प्रबंधित निर्भरता के बजाय आकांक्षा तमिलनाडु लंबे समय से वह राज्य रहा है जहाँ भारतीय राष्ट्रीय राजनीति को क्षेत्रीय स्मृति के सामने स्वयं को विनम्र करना पड़ता है। दशकों से, द्रविड़ विचारधारा, भाषाई गौरव, कल्याणकारी राजनीति और करिश्माई क्षेत्रीय नेतृत्व ने एक ऐसी राजनीतिक संस्कृति को आकार दिया है जिसका अपना व्याकरण है। राष्ट्रीय दल बहस में प्रवेश कर सकते हैं, लेकिन वे केवल लिपि को अधिलिखित नहीं कर सकते। यही तमिलनाडु को भाजपा के लिए सबसे कठिन और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीमाओं में से एक बनाता है। 234 सीटों का यह चुनाव एक ऐसे राज्य में हो रहा है जो आर्थिक रूप से आत्मविश्वासी, सामाजिक रूप से आत्म-जागरूक और राजनीतिक रूप से अनुशासित है। तमिलनाडु बदलाव का विरोध नहीं कर रहा है; वह यह परख रहा है कि इसे परिभाषित करने का अधिकार किसे मिलता है। भाजपा का अवसर ठीक यहीं है। एक युवा मतदाता तेजी से रोजगार, उद्योग, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, बुनियादी ढांचे, शिक्षा और निवेश के संदर्भ में सोचता है। तमिलनाडु की आर्थिक पहचान इतनी मजबूत है कि कई शहरी और अर्ध-शहरी वर्गों में वैचारिक भाषा के समान ही विकास की भाषा मायने रखती है। राजग की रणनीति इसलिए नाटकीय रूपांतरण पर कम और अंशांकित विस्तार पर अधिक निर्भर करती है। गठबंधन की राजनीति महत्वपूर्ण हो जाती है। भाजपा अकेले अभी भी गहराई बना रही है, लेकिन गठबंधन के भीतर वह संदेश को आकार दे सकती है और एक व्यापक सत्ता-विरोधी विकल्प की छवि बना सकती है। यह एक ऐसी राजनीति में मायने रखता है जहाँ धारणा अक्सर सफलता से पहले आती है। फिर भी, बाधाएँ वास्तविक बनी हुई हैं। कई मतदाताओं के लिए, भाजपा अभी भी एक ऐसी पार्टी की छवि रखती है जो भाषा, संघीय स्वायत्तता और सांस्कृतिक गौरव के बारे में तमिल चिंताओं के प्रति पर्याप्त रूप से सजग नहीं है। द्रमुक और उसका तंत्र जानता है कि इन चिंताओं को प्रभावी ढंग से सक्रिय कैसे करना है। कोई भी राष्ट्रीय विकास प्रस्ताव जो क्षेत्रीय गरिमा के प्रति असंवेदनशील प्रतीत होता है, वह राजनीतिक रूप से महंगा साबित हो सकता है। सदन की कुल सीटें 234 हैं, बहुमत के लिए 118 की आवश्यकता है। सबसे संभावित स्थिति यह है कि प्रमुख द्रविड़ गठबंधन बढ़त बनाए रखे, जबकि राजग अपनी सफलता दर और राजनीतिक प्रासंगिकता में सुधार का प्रयास करेगा।तमिलनाडु में भाजपा के लिए आगे जो है, वह एक चुनाव के नतीजे से अधिक मायने रख सकता है। एक मजबूत वोट शेयर और एक अधिक विश्वसनीय गठबंधन स्थिति यह संकेत देगी कि राज्य अभेद्यता से प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ रहा है। यह अकेले ही दक्षिणी राजनीतिक गणनाओं को काफी हद तक बदल सकता है। केरल राजनीतिक धैर्य सिखाता है। यह एक ऐसा राज्य है जहाँ साक्षरता विचारधारा को तीक्ष्ण बनाती है, जहाँ सार्वजनिक बहस असामान्य रूप से गहन है, और जहाँ दो प्रमुख गठबंधनों ने दशकों से चुनावी जीवन को इतनी पूर्णता से संरचित किया है कि तीसरी ताकतें अक्सर स्वयं को दृश्यमान फिर भी सीमित पाती हैं। 140 सीटों का विधानसभा चुनाव एक बार फिर मुख्य रूप से वाम लोकतांत्रिक मोर्चा और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा के बीच की प्रतियोगिता है। इस द्विध्रुवीयता के भीतर, भाजपा तात्कालिक जीत से अधिक सूक्ष्म कुछ करने का प्रयास कर रही है: वह संरचनात्मक रूप से अपरिहार्य बनने की कोशिश कर रही है। यह प्रयास क्रमिक, असमान और अक्सर निराशाजनक रहा है। भाजपा की दृश्यता बढ़ी है, उसने पिछले चुनावी चक्रों में अपना वोट शेयर सुधारा है, और खुद को राजनीतिक वार्तालाप का हिस्सा बना लिया है जैसा कि वर्षों पहले असंभव लगता था।

अशोक भाटिया

जन सुराज का...

ज्ञान चंद पाटनी

भगदड़ से मौतें : भारी पड़ रही भीड़ प्रबंधन की अनदेखी

बिहार के नालंदा जिले के मघड़ा गांव स्थित शीतला माता मंदिर में हर वर्ष की भांति श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी लेकिन यह उत्साह जल्द ही हादसे में बदल गया। ऐसे हादसे बार—बार चीख—चीख कर कहते हैं कि भीड़ प्रबंधन की अनदेखी जानलेवा साबित होती है। इसके बावजूद न सरकार और प्रशासन पर इसका असर होता है, न ही आयोजकों पर। इससे साफ है कि किसी को भी आम जनता की जान की परवाह नहीं है। इस बात की पुष्टि इस तथ्य से भी होती है कि राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यक्रम के लिए 2500 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे, लेकिन शीतला माता मंदिर में 25 हजार भक्तों को भगवान के भरोसे छोड़ दिया गया। भारत में भगदड़ के कारण होने वाली मौतें कभी खत्म नहीं होने वाली त्रासदी बन चुकी हैं। शीतला माता मंदिर में भगदड़ से हुई मौतों ने इस सच्चाई को फिर उजागर कर दिया है। भारत में धार्मिक कार्यक्रमों, त्योहारों और तीर्थ स्थलों पर खास अवसरों पर बड़ी संख्या में लोग जमा होते हैं। इस तरह के आयोजनों में सुरक्षा, प्रबंधन और प्रवेश-निकास व्यवस्था के मामले में अक्सर लापरवाही बरती जाती है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की गाइडलाइन की तरफ तो ध्यान ही नहीं दिया जाता। ऐसा हादसा कहीं भी हो, आमतौर पर मुख्य कारण भीड़ प्रबंधन की अनदेखी ही होता है। लोगों की सुरक्षा सरकार और आयोजकों, दोनों की

जिम्मेदारी होती है। भारत में धार्मिक आयोजनों की संस्कृति ऐसी है कि ज्यादातर मामलों में आयोजक या संस्था भीड़ को संभालने के लिए कोई खास योजना या निगरानी व्यवस्था पर ध्यान ही नहीं देते। शायद वे मानकर चलते हैं कि लोगों की सुरक्षा का काम भगवान का है। ऐसे मामलों में पुलिस और प्रशासन भी आंखें मूंदे रहता है। जब हालात बिगड़ते हैं, तब सब एक-दूसरे पर दोष मढ़ते नजर आते हैं। नालंदा जिले में हुए हादसे का विवरण जितना दर्दनाक है, उतना ही शर्मनाक भी है। आसपास से हजारों भक्त माता के दर्शन को उमड़े थे, लेकिन मंदिर प्रबंधन और प्रशासन ने कोई विशेष इंतजाम नहीं किए। छोटा गर्भगृह, फिसलन भरी सीढ़ियां, अव्यवस्थित रास्ते और सबसे ऊपर दर्शन की होड़। श्रद्धालु कतार तोड़कर आगे बढ़ने को आतुर थे। पुजारी जल्दबाजी में दर्शन करा रहे थे। चोर दरवाजे से पैसे लेकर विशेष प्रवेश के आरोप भी सामने आए हैं। देश में होने वाली करीब 80% भगदड़ के मामले धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान सामने आते हैं। मंदिरों, दरगाहों और तीर्थ स्थलों पर भीड़ सुरक्षा योजना पर ध्यान नहीं दिया जाता। प्रवेश-निकास द्वारों और आपात निकासी मार्ग को लेकर गंभीरता नहीं बरती जाती। न ही ठीक तरह से बैरीकेड लगाने और प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति को लेकर किसी तरह की योजना बनाई जाती। स्थानीय प्रशासन और पुलिस आम तौर पर घटना के बाद सक्रिय होते हैं। धार्मिक ही नहीं राजनीतिक रैलियों में भी ऐसे हादसे होते रहते हैं। पिछले साल सितंबर में तमिल अभिनेता से नेता बने विजय की रैली के दौरान भगदड़ से 39 लोगों की जान चली गई थी। नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार 2000 से 2022 के दौरान हुए ऐसे हादसों में 3074 लोगों की मौत हुई, जिससे समस्या की गंभीरता का पता चलता है। एनडीएमए के दिशा-निर्देशों, भीड़ निगरानी और रियल टाइम कम्युनिकेशन की व्यवस्था पर ध्यान दिया जाए तो हालात सुधर सकते हैं। मुश्किल यह है कि अधिकतर संगठन और आयोजक इन बातों को नजरअंदाज करते हैं। परिणामस्वरूप बार-बार जानलेवा भगदड़ के मामले सामने आते हैं। भारत को भीड़ प्रबंधन के लिए एक ठोस नीति अपनाने की आवश्यकता है। इसमें राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) संहिता की पालना के साथ स्थानीय प्रशासन से समन्वय पर खास ध्यान रहे। आयोजन की पूर्व सूचना, सुरक्षित संरचना, व्यवस्थित बैरीकेड और पुलिस—प्रशासन से समन्वय स्थापित करने के मामले में आयोजकों को खुद पहल करनी चाहिए। धर्म स्थलों के पदाधिकारी और धार्मिक संस्थाएं भीड़ नियंत्रण के लिए डिजिटल समाधान — सीसीटीवी, घनत्व सेंसर, डिजिटली सूचना प्रणाली को अपनाएं तो हादसे रोकने में कामयाबी मिल सकती है। कुछ उदाहरण भी सामने हैं। आंध्रप्रदेश के तिरुपति मंदिर में भीड़ प्रबंधन को लेकर बदलाव किया गया है।

फिल्म में कार्तिक...

सुभाष शिरढोनकर

'नागजिला' से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं प्रीति मुकुंदन

खूबसूरत एक्ट्रेस प्रीति मुकुंदन ने पिछले साल रिलीज तेलुगु फिल्म 'कन्नप्पा' (2025) में राजकुमारी नेमाली के किरदार में लोगों का दिल जीत लिया। खासकर उनके कर्वी फिगर और चेहरे की नजाकत के प्रति ऑडियंस में जबर्दस्त दीवानगी नजर आई। 'कन्नप्पा' (2025) में प्रीति के साथ अक्षय कुमार भगवान शिव के रोल में थे जबकि प्रभास और मोहन लाल अहम किरदारों में थे 30 जुलाई, 2001 को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में एक डॉक्टर फैमिली में पैदा हुई प्रीति मुकुंदन ने कमला निकेतन त्रिची से हाई स्कूल से शुरूआती पढ़ाई करने के बाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, तिरुचिरापल्ली से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बी टेक किया। शुरु से ही प्रीति की रूचि एक्टिंग में रही। इसलिए कॉलेज के दिनों में उन्होंने मॉडलिंग शुरू कर दी। उसके बाद से अब तक वह 100 से ज़्यादा टीवी कमर्शियल और प्रिंट ऐड में नज़र आ चुकी हैं। प्रीति ने साल 2022 में टीजे अरुणसालम के गाने 'मुट्टू मू 2' पर पहला म्यूजिक वीडियो किया जिसमें उनके साथ योगी बी और शिवांगी कृष्णकुमार नजर आये थे। इसके बाद साल 2024 में उन्होंने साई अभ्यंकर के गाने 'आसा कूड़ा' पर एक और म्यूजिक वीडियो किया। वह बादशाह के साथ म्यूजिक वीडियो 'मोरनी' (2024) में भी नजर आ चुकी हैं। प्रीति के तमिल म्यूजिक वीडियो 'आसा कूडा' (2024) को खूब लोकप्रियता मिली। इस की लोकप्रियता ने प्रीति मुकुंदन के लिए कई दरवाजे खोल दिए । प्रीति को तेलुगु हॉरर कॉमेडी फिल्म 'ओम भीम बुश' (2024) से सिल्वर स्क्रीन पर डेब्यू करने का अवसर मिला। इसके बाद वह तमिल रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'स्टार' (2024) में नजर आई ।

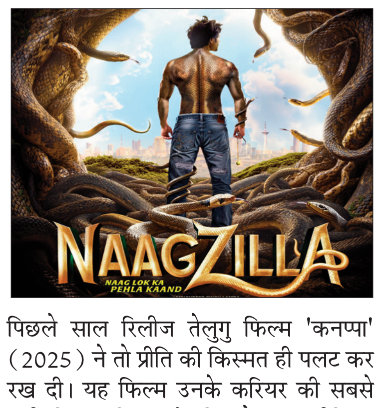

पिछले साल रिलीज तेलुगु फिल्म 'कनप्पा' (2025) ने तो प्रीति की किस्मत ही पलट कर रख दी। यह फिल्म उनके करियर की सबसे बड़ी हिट साबित हुई। पिछले साल प्रीति 2 मलयालम फिल्मों 'मैने प्यार किया' (2025) और 'सर्वम माया' (2025) में भी नजर आईं। इसके बाद वह तमिल फिल्म 'इधायम मुरली' और तेलुगु फिल्म 'इमो इमो इदि' कर रही है। इसी के साथ हाल ही में उन्हें कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म 'नागजिला' के लिए साइन किया गया है। इस फिल्म के जरिए वह हिंदी फिल्म जगत में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म 'नागजिला' का निर्माण करण जौहर का धर्मा प्रोडक्शन और महावीर जैन फिल्म्स मिलकर कर रहे हैं। फिल्म में कार्तिक पहली बार रूप बदलने वाले नाग का किरदार निभा रहे हैं। रवि किशन फिल्म में मुख्य खलनायक की भूमिका में हैं। फिल्म 15 अगस्त को रिलीज होगी। फिल्म में प्रीति के किरदार के बारे में कहा जा रहा है कि वह कहानी को आगे बढाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस फिल्म को लेकर लेकर प्रीति काफी उत्साहित हैं। क्योंकि इस फिल्म के जरिए वह न केवल हिंदी फिल्मों में डेब्यू करने जा रही हैं बल्कि इसके जरिए उन्हें एक्टिंग का एक अलग अंदाज दिखाने का अवसर मिल रहा है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

सौरभ वार्ष्णेय

रूस भारत के लिए एक बार फिर मददगार साबित

जब-जब भारत को जरूरत पड़ी, तब -तब रूस ने अपना मित्रता धर्म निभाया है। वैश्विक राजनीति के जटिल दौर में, जब विश्व शक्तियों के बीच तनाव और प्रतिस्पर्धा चरम पर है, ऐसे समय में भारत के लिए रूस का एक बार फिर भरोसेमंद साझेदार के रूप में सामने आना बेहद महत्वपूर्ण है। यह केवल कूटनीतिक संबंधों का मामला नहीं, बल्कि रणनीतिक, आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा एक व्यापक सहयोग है। ऐसे समय में जब पूरी दुनिया गैस कच्चे तेल की कमी से त्रस्त है तब 9 मार्च तक भारत का रूसी तेल आयात 5.55 करोड़ बैरल तक पहुंच गया है जो कि खरीद नौ महीने में सबसे अधिक है। भारत की तेल खरीद में अंगोला भी पिक्चर में आया है। उसकी सप्लाई में 255 फीसदी का भारी इजाफा हुआ है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है। उसके कच्चे तेल के आयात का लगभग 40-50 फीसदी हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। सऊदी अरब से होने वाले आयात में फरवरी के मुकाबले 38 फीसदी की कमी आई। वहीं दूसरी ओर अंगोला से होने वाली खरीद में महीने-दर-महीने के आधार पर जबरदस्त 255 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। भारत की ओर से इराक से की जाने वाली खरीद में भी 73 फीसदी की कमी आई। यह घटकर 73 लाख बैरल रह गई। इसी तरह संयुक्त अरब अमीरात से होने वाली खरीद में भी 59 फीसदी की कमी आई। यह 64 लाख बैरल पर पहुंच गई। भारत और रूस के संबंध दशकों पुराने हैं, जो समय-समय पर परखे गए और हर बार मजबूत होकर उभरे। शीत युद्ध के दौर से लेकर आज के बहुध्रुवीय विश्व तक, रूस ने कई अहम मौकों पर भारत का साथ दिया है। आज जब पश्चिमी देशों और रूस के बीच टकराव बढ़ा है, तब भारत ने संतुलित विदेश नीति अपनाते हुए अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी है। ऊर्जा के क्षेत्र में रूस की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय रही है। वैश्विक

बाजार में तेल और गैस की कीमतों में अस्थिरता के बीच रूस ने भारत को रियायती दरों पर कच्चा तेल उपलब्ध कराया, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को स्थिरता मिली और आम जनता पर महंगाई का बोझ कुछ हद तक कम हुआ। यह सहयोग भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक मजबूत आधार बनकर उभरा है। रक्षा क्षेत्र में भी रूस भारत का प्रमुख सहयोगी रहा है। आधुनिक हथियारों, तकनीकी हस्तांतरण और संयुक्त उत्पादन के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच गहरा सहयोग है। चाहे वह ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना हो या एस-400 वायु रक्षा प्रणाली, रूस ने भारत की सैन्य क्षमता को सुदृढ़ करने में अहम योगदान दिया है। हालांकि, इस संबंध में चुनौतियां भी कम नहीं हैं। रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते भुगतान तंत्र, आपूर्ति श्रृंखला और अंतरराष्ट्रीय दबाव जैसे मुद्दे सामने आए हैं। इसके बावजूद भारत ने अपने रणनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए रूस के साथ सहयोग जारी रखा है। आज जरूरत इस बात की है कि भारत और रूस अपने संबंधों को और अधिक विविध और आधुनिक बनाएं। केवल रक्षा और ऊर्जा तक सीमित न रहकर, विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष और व्यापार के नए क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाया जाना चाहिए। इससे दोनों देशों के संबंध और अधिक मजबूत और टिकाऊ बन सकते हैं। यह कहा जा सकता है कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में रूस का भारत के लिए मददगार बनकर उभरना न केवल द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का संकेत है, बल्कि यह भारत की स्वतंत्र और संतुलित विदेश नीति की सफलता का भी प्रमाण है। भारत और रूस के बीच संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक विश्वास, रणनीतिक सहयोग और परस्पर सम्मान पर आधारित हैं। यह मित्रता दशकों पुरानी है और बदलते वैश्विक परिदृश्य के बावजूद निरंतर मजबूत होती रही है। शीत युद्ध के दौर में, जब विश्व दो ध्रुवों में बंटा हुआ था, तब सोवियत संघ ने भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी बनकर साथ दिया। चाहे 1971 के युद्ध का समय हो या औद्योगिक विकास की शुरुआत, सोवियत समर्थन ने भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूती दी। यही कारण है कि दोनों देशों के संबंध केवल हितों तक सीमित नहीं, बल्कि भरोसे की नींव पर टिके हैं। आज के दौर में भी, रक्षा, ऊर्जा और तकनीक के क्षेत्रों में भारत-रूस सहयोग बेहद अहम है। भारत की रक्षा प्रणाली में रूस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, वहीं ऊर्जा क्षेत्र में भी रूस एक विश्वसनीय भागीदार बना हुआ है। वैश्विक तनावों और पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच भी भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए रूस के साथ संतुलित संबंध बनाए रखे हैं। हालांकि, बदलती वैश्विक राजनीति में नई चुनौतियां भी सामने हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंध, और रूस का चीन के साथ समीकरण, इस मित्रता के लिए नई जटिलताएं पैदा कर रहे हैं। इसके बावजूद, भारत की विदेश नीति 'रणनीतिक स्वायत्तता' पर आधारित है, जो उसे सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संतुलन बनाने में सक्षम बनाती है। वर्तमान समय में भारत-रूस संबंधों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। केवल रक्षा तक सीमित न रहकर, व्यापार, निवेश, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाना होगा। इससे यह मित्रता और अधिक व्यापक और टिकाऊ बन सकेगी। भारत-रूस मित्रता केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं का भी आधार है। यह संबंध समय की हर परीक्षा में खरा उतरा है और आने वाले वर्षों में भी वैश्विक स्थिरता और संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

पंजाब ने गुजरात को 3 विकेट से हराया

डेब्यू मैच में कूपर कोनोली की फिफ्टी, विजयकुमार वैशाख ने 3 विकेट लिए

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL के चौथे मैच में पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को 3 विकेट से हरा दिया। मुल्लांपुर में मंगलवार को PBKS ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। GT ने 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए। पंजाब ने 19.1 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल किया डेब्यू मैच खेलने उतरे ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली ने पंजाब से फिफ्टी लगाई। उनकी पारी ने ही टीम को जीत दिलाई। विजयकुमार वैशाख ने 3 और युजवेंद्र चहल ने 2 विकेट लिए। गुजरात से शुभमन गिल ने 39 और जोस बटलर ने 38 रन बनाए। प्रसिद्ध कृष्णा को 3 विकेट मिले। पंजाब ने 109 रन तक 2 ही विकेट गंवाए थे। यहां प्रसिद्ध बॉलिंग करने आए, उन्होंने 2 ओवर में 3 विकेट झटक लिए। पंजाब ने 118 रन तक 6 विकेट गंवा दिए। 144 पर 7वां विकेट भी गिर गया। यहां से कोनोली आखिर तक टिके रहे और टीम को जीत दिला दी। कोनोली ने 72

रन बनाए। 16वें ओवर में कूपर कोनोली ने फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने कगिसो रबाडा के खिलाफ ओवर की पहली ही गेंद पर चौका लगाया और 34 गेंद पर अपनी हाफ सेंचुरी पूरी कर ली। मार्को यानसन उनके साथ पिच पर मौजूद रहे। पंजाब किंग्स ने 15वें ओवर में छठा विकेट भी गंवा दिया। मार्कस स्टोयनिस ओवर की चौथी गेंद पर कैच हो गए, वे खाता भी नहीं खोल सके। 109 रन के स्कोर पर टीम ने 2 ही विकेट गंवाए थे। 118 तक टीम के 6 विकेट गिर गए। इनमें से 3 विकेट प्रसिद्ध के 2 ओवर में आए। पंजाब किंग्स ने 3 ओवर में 3 विकेट गंवा दिए। 15वें ओवर की दूसरी बॉल प्रसिद्ध कृष्णा ने ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट पिच फेंकी। शशांक सिंह डिफेंड करने गए, लेकिन कॉट बिहाइंड हो गए। वे 4 रन ही बना सके। पंजाब ने 14वें ओवर में नेहल वाधेरा और 13वें ओवर में श्रेयस अय्यर का विकेट भी गंवाया। 14वें ओवर में पंजाब किंग्स ने नेहल वाधेरा का विकेट भी गंवा दिया। वॉशिंगटन सुंदर ने उन्हें कप्तान शुभमन गिल के हाथों कैच कराया। वाधेरा 3 रन ही बना सके। इससे पहले 13वें ओवर में कप्तान श्रेयस अय्यर भी आउट हुए थे। 19वें ओवर में विजयकुमार वैशाख ने 2 विकेट लिए। ओवर की आखिरी गेंद पर उन्होंने शाहरुख खान को अर्शदीप सिंह के हाथों कैच कराया। शाहरुख 4 रन ही बना सके। वैशाख ने वॉशिंगटन सुंदर और ग्लेन फिलिप्स को भी पवेलियन भेजा। 19वें ओवर में गुजरात ने पांचवां विकेट गंवाया। ओवर की पहली बॉल विजयकुमार वैशाख ने स्लोअर बाउंसर फेंकी।

अर्शदीप ने 11 गेंद का ओवर फेंका

अर्शदीप सिंह ने 20वें ओवर में 11 गेंदें फेंक दीं। ओवर में 4 वाइड और 1 नो-बॉल शामिल रहीं। यह IPL के किसी एक ओवर में सबसे ज्यादा गेंदें फेंकने के रिकॉर्ड की बराबरी रही। उनसे पहले शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा और हार्दिक पंड्या भी 11-11 गेंदें फेंक चुके हैं।

> 20वें ओवर की पहली गेंद पर कूपर कोनोली ने वॉशिंगटन सुंदर के खिलाफ चौका लगाया। इसी के साथ उन्होंने टीम को 3 विकेट के करीबी अंतर से जीत दिला दी। वे 72 रन बनाकर नॉटआउट रहे। उनके सामने जैवियर बार्टलेट ने 5 गेंद पर 11 रन बनाए। 18वें ओवर में पंजाब ने 7वां विकेट भी गंवा दिया। अशोक शर्मा ने ओवर की चौथी बॉल ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ पर स्लोअर फेंकी। मार्को यानसन ने शॉट खेला, लेकिन कवर्स पोजिशन पर कैच हो गए।

4 बार का चैंपियन इटली फीफा वर्ल्डकप नहीं खेल पाएगा

लगातार तीसरी बार क्वालिफायर राउंड से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

इटली लगातार तीसरी बार FIFA वर्ल्ड कप में जगह बनाने से चूक गया। वर्ल्ड कप के यूरोपियन क्वालिफायर्स के फाइनल में उसे बोस्निया और हर्जेगोविना के हाथों पेनल्टी शूटआउट में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। FIFA वर्ल्ड कप अगले साल 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में खेला जाएगा। यह वर्ल्ड कप का 23वां एडिशन होगा। इसके मुकाबले 16 शहरों में खेले जाएंगे। पहली बार टूर्नामेंट में 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं और मेजबानी एक साथ तीन देश कर रहे हैं। यूरोपियन क्वालिफायर्स का फाइनल आज जेनिका में खेला गया। चार बार की वर्ल्ड चैंपियन इटली के लिए शुरुआत अच्छी रही। मुकाबले के 15वें मिनट में मोइसे कीन ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, पहले हाफ के अंत से पहले ही डिफेंडर एलेसांद्रो बास्तोनी को रेड कार्ड मिल गया, जिससे इटली 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने को मजबूर हो गया। दूसरे हाफ में

बोस्निया ने इसका फायदा उठाया और 79वें मिनट में हारिस तबकोविच ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। फुल टाइम और एक्स्ट्रा टाइम में कोई टीम बढ़त नहीं बना सकी, जिसके बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया। शूटआउट में इटली की टीम दबाव में बिखर गई। पियो एस्पोसिटो और ब्रायन क्रिस्टांटे अपने पेनल्टी मिस कर बैठे, जबकि बोस्निया के एस्मिरा बाजराक्टरेविक ने निर्णायक गोल कर टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। पेनल्टी शूटआउट में बोस्निया ने 4 और इटनी ने 1 गोल किया। हार के बाद इटली के डिफेंडर लियोनार्डो स्पिनजोला ने कहा, हमें अब भी यकीन नहीं हो रहा है।

फास्ट न्यूज

सलमान खान की अगली फिल्म में नयनतारा की एंट्री

नई दिल्ली। सलमान खान की अगली बड़ी फिल्म में एक्ट्रेस नयनतारा लीड रोल में नजर आएंगी। यह पहली बार होगा जब ये दो बड़े सितारे पर्दे पर एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। सलमान इस बार साउथ के फिल्ममेकर वामशी पेडिपल्ली और प्रोड्यूसर दिल राजू के साथ काम करे रहे हैं। इस फिल्म को अस्थायी नाम SVC63 दिया गया है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। सोमवार को सलमान खान और प्रोडक्शन हाउस 'श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स' ने सोशल मीडिया पर प्रोजेक्ट की घोषणा की थी।

धुरंधर-2 ने 13 दिनों में वर्ल्डवाइड कमाए 1435 करोड़

नई दिल्ली। रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 (धुरंधरः द रिवेंज) बॉक्स ऑफिस पर लगातार रिकॉर्ड बना रही है। 13 दिनों में फिल्म ने 1435 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया और RRR के ऑल टाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया। इसके साथ ही यह भारत की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्स के अनुसार, फिल्म ने 13वें दिन (दूसरे मंगलवार) 33.22 करोड़ और सोमवार को 30 करोड़ कमाए। इसके साथ वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1435 करोड़ और इंडियन कलेक्शन 1077 करोड़ हो गया है। 1435 करोड़ कलेक्शन के साथ धुरंधर बॉलीवुड की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इसने अपने पिछले पार्ट का रिकॉर्ड तोड़ा, लेकिन अब भी आमिर खान की दंगल (2200 करोड़) से पीछे है।

जेट फ्यूल 100% महंगा, लेकिन भारत में दाम नहीं बढ़ेंगे

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ATF यानी जेट फ्यूल 100% से ज्यादा महंगा हो गया है। इस तेजी के बावजूद सरकार ने ATF में बढ़ोतरी को सिर्फ 25% तक सीमित रखने का फैसला किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार को देखते हुए भारत में हवाई ईंधन के दाम 100% से ज्यादा बढ़ने की आशंका थी। लेकिन सरकार ने हस्तक्षेप करते हुए इसे केवल 25% तक सीमित कर दिया है।

प्रेसिडेंट कप का उद्घाटन करने पहुंचे सलमान खान

धक्का-मुक्की के बीच बाहर निकलने में करनी पड़ी मशक्कत

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान मंगलवार को टेनिस टूर्नामेंट प्रेसिडेंट कप 2026 का उद्घाटन करने पहुंचे थे। ये इवेंट मुंबई के थाणे स्थित दादोजे कोंडदेव स्टेडियम में आयोजित हुआ था, जहां महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहे। हालांकि एक्टर की मौजूदगी से भीड़ बेकाबू हो गई और एक्टर भीड़ में फंस गए। सलमान को कार तक पहुंचाने में उनकी सिक्योरिटी टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी है। सलमान खान फिल्म मातृभूमि जल्द रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का टाइटल पहले बैटल ऑफ गलवान रखा गया था, हालांकि कुछ लोगों की आपत्ति होने के बाद विवाद से बचने के लिए फिल्म का टाइटल मातृभूमि कर दिया गया है। फिलहाल इसकी रिलीज डेट अनाउंस नहीं हुई है। इसके अलावा सलमान खान, साउथ की लेडी सुपरस्टार

सलमान खान इवेंट में लिनेन ब्राउन शर्ट और ग्रे बैगी जींस पहने पहुंचे थे।

नयनतारा के साथ एक अनटाइटल फिल्म भी शुरू करने वाले हैं। सलमान खान फिल्म मातृभूमि जल्द रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का टाइटल पहले बैटल ऑफ गलवान रखा गया था।

एयरपोर्ट के पास अवैध लेजर लाइट का इस्तेमाल किया, क्षमता से ज्यादा जुटी भीड़

हनी सिंह के मुंबई कॉन्सर्ट के आयोजकों पर एफआईआर

मुंबई, एजेंसी

मुंबई के MMRDA ग्राउंड में हुए रैपर यो यो हनी सिंह के 'माय स्टोरी – इंडिया चैप्टर' कॉन्सर्ट के आयोजकों पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने पुलिस की मनाही के बावजूद एयरपोर्ट जोन के पास खतरनाक लेजर लाइट्स का इस्तेमाल किया। यह कॉन्सर्ट 28 मार्च 2026 को आयोजित किया गया था, जिसमें सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की बात सामने आई है। मुंबई पुलिस ने 'तमन्नाज वर्ल्डवाइड' के प्रतिनिधि इंद्रजीत सिंह के खिलाफ FIR दर्ज की है पुलिस का कहना है कि MMRDA ग्राउंड मुंबई एयरपोर्ट के काफी नजदीक है, जिस कारण वहां लेजर लाइट्स के इस्तेमाल पर पाबंदी थी। इसके बावजूद प्रोमोटर्स ने हाई-बीम लेजर लाइट्स का इस्तेमाल किया।

वायरल हुआ गेट फांदती महिला का वीडियो

28 मार्च को हुए इस शो के दौरान अफरातफरी के कई नजारे देखने को मिले। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला कॉन्सर्ट के बंद गेट पर चढ़कर अंदर जाने की कोशिश कर रही है। कई फैंस ने सुरक्षा घेरा तोड़ने की भी कोशिश की।

12 हजार की परमिशन और पहुंच गए 20 हजार लोग

FIR के मुताबिक, आयोजकों ने पुलिस को जानकारी दी थी कि कार्यक्रम में लगभग 12,000 लोग शामिल होंगे। कॉन्सर्ट के दौरान वहां असल भीड़ 18,000 से 20,000 के बीच पहुंच गई। क्षमता से ज्यादा लोग जुटने के कारण पुलिस के लिए सुरक्षा इंतजाम संभालना एक बड़ी चुनौती बन गया।

> इस मामले में कानूनी पहलू यह है कि सितंबर 2024 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने सार्वजनिक जगहों पर लेजर लाइट पर पूरी तरह बैन लगाने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि बिना वैज्ञानिक प्रमाण के इसे बैन नहीं किया जा सकता। हालांकि, कोर्ट ने यह स्पष्ट निर्देश दिया था कि अगर पुलिस को लगता है कि लाइट्स खतरनाक हैं या सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रही हैं

बीच सड़क से अमेरिकी पत्रकार का अपहरण

जबरन गाड़ी में खींचकर ले गए, अमेरिकी दूतावास ने इराक न जाने की सलाह दी थी

बगदाद, एजेंसी

अमेरिका की फ्रीलांस पत्रकार शैली किटल्सन का मंगलवार को इराक की राजधानी बगदाद में अपहरण कर लिया गया। अज्ञात हमलावरों ने शैली को अल-सादून स्ट्रीट पर स्थित बगदाद होटल के पास से अगवा किया। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें अपराधी, पत्रकार को जबरन गाड़ी में खींचकर ले जाते नजर आ रहे हैं। इराक के गृह मंत्रालय ने भी घटना की पुष्टि की है, हालांकि उसने पत्रकार की पहचान सार्वजनिक नहीं की। मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि एक विदेशी पत्रकार का अज्ञात लोगों ने अपहरण कर लिया, जिसके बाद सुरक्षा बलों को तुरंत कार्रवाई के लिए भेजा गया। कुछ समय से वह न्यूज वेबसाइट अल-मॉनिटर के लिए रिपोर्टिंग कर रही थी। इसी वेबसाइट के मुताबिक अमेरिकी सरकार ने पत्रकार को सुरक्षा वजहों से इराक की यात्रा न करने की सलाह भी दी थी। शैली किटल्सन युद्ध

क्षेत्रों में रिपोर्टिंग के लिए जानी जाती हैं और उन्हें 2017 में प्रेमियो कारावेला अवॉर्ड मिल चुका है। वह मुख्य रूप से मिडिल ईस्ट, खासकर इराक और सीरिया से जुड़ी रिपोर्टिंग करती रही हैं। अमेरिकी फ्रीलांस पत्रकार शैली किटल्सन उन रिपोर्टर्स में गिनी जाती हैं जो दुनिया के सबसे खतरनाक संघर्ष क्षेत्रों से ग्राउंड रिपोर्टिंग करती हैं। उनका काम मुख्य रूप से मिडिल ईस्ट खासकर इराक और सीरिया पर केंद्रित रहा है। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए काम किया है। उनकी रिपोर्टिंग का मुख्य विषय युद्ध और संघर्ष, मिलिशिया समूह, स्थानीय आबादी पर असर और मानवीय संकट रहा है। शैली किटल्सन की सबसे ज्यादा चर्चा उन रिपोर्ट्स को लेकर हुई, जिनमें उन्होंने ISIS के पतन (2017 के बाद) के बाद इराक की स्थिति को ग्राउंड से दिखाया। उस वक्त उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ISIS की हार के बाद जमीनी स्तर पर संघर्ष खत्म नहीं हुआ है और सत्ता का खालीपन बना हुआ है।

इराकी मिलिशिया कतीब हिजबुल्लाह पर आरोप

फिलहाल यह साफ नहीं है कि यह घटना मिडिल ईस्ट में चल रही जंग से जुड़ी है या नहीं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों द्वारा पहले भी विदेशी नागरिकों और अमेरिकी हितों को निशाना बनाया जाता रहा है। CNN से जुड़े वॉर एक्सपर्ट एलेक्स प्लिटास ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि किटल्सन को ईरान समर्थित इराकी मिलिशिया कतीब हिजबुल्लाह ने अगवा किया है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह ग्रुप ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के करीब माना जाता है। इराक में यह पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्स (PMF) का हिस्सा है। PMF को इराक सरकार ने ISIS के खिलाफ लड़ाई के दौरान आधिकारिक दर्जा दिया था।

शैली किटल्सन ने कई मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए काम किया है।

एक आरोपी गिरफ्तार लेकिन पत्रकार का सुराग नहीं

गृह मंत्रालय के अनुसार सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर अपहरणकर्ताओं का पीछा किया। इस दौरान अपहरण में इस्तेमाल हो रही एक गाड़ी पलट गई, जिससे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और कुछ वाहन भी जब्त किए गए। हालांकि पत्रकार को ले जा रही दूसरी गाड़ी मौके से फरार हो गई और वह बगदाद के दक्षिण की ओर निकल गई। दो इराकी सुरक्षा अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि अपहरण की शिकार पत्रकार एक अमेरिकी महिला हैं।

ईरान जंग में शामिल हो सकता है यूएई

होर्मुज को जबरन खोलने में अमेरिका की मदद करेगा

अबू धाबी, एजेंसी

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) US-ईरान जंग में सीधे तौर पर शामिल होने की तैयारी कर रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल (WSJ) की रिपोर्ट के मुताबिक, UAE संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में एक प्रस्ताव लाने की कोशिश कर रहा हैं। इस प्रस्ताव में होर्मुज स्ट्रेट को जबरन खोलने के लिए सभी तरीकों का इस्तेमाल करने की अनुमति मांगी जा रही है। इसके तहत हार्मुज सिक्योरिटी फोर्स बनाई जाएगी, जो जहाजों की सुरक्षा तय करेगी। होर्मुज एक महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है, जिससे दुनिया का लगभग 20% तेल गुजरता है। ईरान ने इसे बंद कर रखा है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। UAE पहला खाड़ी देश बन सकता है जो इस जंग में सीधे हिस्सा लेगा।

हाल में ईरान ने UAE पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज किए हैं। अब तक करीब 2500 हमले हुए हैं, जिनमें एयरपोर्ट, रिहायशी इमारत और ऑयल फैसिलिटी को नुकसान पहुंचा है। UAE अमेरिका, यूरोप और एशिया से अपील कर रहा है कि वे गठबंधन बनाकर स्ट्रेट को सुरक्षित करें। UAE अधिकारी ने WSJ को बताया कि ईरान अपनी जान बचाने के लिए लड़ रहा है, इसलिए वह वैश्विक अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने को तैयार है।

बढ़त : इस साल कीमत में 16 हजार का इजाफा, चांदी 9,348 महंगी होकर 2.39 लाख/किलो हुई

सोना 2,836 बढ़कर 1.50 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना-चांदी के दाम में आज 1 अप्रैल को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,836 रुपए बढ़कर 1.50 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 9,348 रुपए बढ़कर 2.39 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2.30 लाख रुपए प्रति किलो थी। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल की ईरान से जंग शुरू होने के बाद लगातार गिरावट देखी जा रही है। तब से सोना 9,528 रुपए और चांदी 27,217 रुपए गिर चुकी है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

सोना इस साल 16,374 बढ़ा, ईरान जंग के बाद 9,528 गिरा

इस साल सोने–चांदी की कीमत में लगातार उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 16,374 रुपए और चांदी 9,063 रुपए महंगी हुई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्राः दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।

लोकल ज्वेलरी एसोसिएशनः राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

- मैग्नेट टेस्टः असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।
- आइस टेस्टः सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ तेजी से पिघलती है।
- स्मेल टेस्टः असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है।
- क्लॉथ टेस्टः चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

ओरेकल ने भारत में 12,000 कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली। अमेरिकी आईटी कंपनी ओरेकल ने करीब 30 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छंटनी में अकेले भारत के 12 हजार कर्मचारी शामिल है। कर्मचारियों को सुबह 5 से 6 बजे के बीच ई-मेल मिले और कुछ ही मिनटों में उनका सिस्टम एक्सेस बंद कर दिया गया। कंपनी अगले महीने छंटनी का दूसरा दौर भी शुरू कर सकती है। ओरेकल के कई कर्मचारियों के मुताबिक, सुबह जब वें सोकर उठे, तो उनके इनबॉक्स में टर्मिनेशन लेटर था। भारत में पूरी की पूरी टीमों को रातों-रात खत्म कर दिया गया है। ई-मेल में कर्मचारियों को बताया गया कि बड़े संगठनात्मक बदलाव के तहत उनकी भूमिका खत्म कर दी गई है और जिस दिन वे यह ई-मेल पढ़ रहे हैं, वही उनका आखिरी वर्किंग डे है। एक सीनियर मैनेजर माइकल शेफर्ड ने लिंक्डइन पर लिखा कि सीनियर इंजीनियर्स, आर्किटेक्ट्स, ऑपरेशंस लीडर्स, प्रोग्राम मैनेजर्स और टेक्निकल स्पेशलिस्ट्स को नौकरी से निकाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह छंटनी परफॉर्मेंस के आधार पर नहीं की गई है। BBC की एक रिपोर्ट में सीनियर कर्मचारियों के हवाले से कहा गया है कि कंपनी AI में भारी निवेश कर रही है।

सेंसेक्स 1300 पॉइंट चढ़कर 73,300 पर पहुंचा

निफ्टी में 400 पॉइंट की बढ़ोतरी, ऑटो, आईटी और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा खरीदारी

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 1 अप्रैल को बढ़त है। सेंसेक्स में करीब 1,300 अंक (1.90%) की तेजी के साथ 73,300 पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 400 अंक (1.80%) की बढ़त है, ये 22,700 पर कारोबार कर रहा है। आज ऑटो, IT, मेटल और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा खरीदारी है। मिडिल ईस्ट का तनाव खत्म होने के संकेतः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध अगले 2 से 3 हफ्तों में खत्म हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका अपना लक्ष्य हासिल कर चुका है और ऑपरेशन लास्ट स्टेज में है।

ग्लोबल मार्केट से मिले अच्छे संकेतों का असरः दुनियाभर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ा दिया है। शुरुआती कारोबार में लगभग सभी बड़े एशियाई बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में रहे। आज कच्चे तेल के दाम में 1% की तेजी है, ये बढ़कर 105 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। 28 फरवरी को ईरान जंग शुरू होने से पहले कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास थे।

इससे पहले 30 मार्च को सेंसेक्स करीब 1636 अंक (2.22%) की गिरावट के साथ 71,948 पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 488 अंक (2.14%) की गिरावट रही, ये 22,331 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं कल यानी 31 मार्च को महावीर जयंती की छुट्टी के चलते शेयर बाजार बंद था। साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 8.44% बढ़कर 5,478 पर बंद हुआ। जापान का निक्केई इंडेक्स 5.24% बढ़कर 53,739 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 2.04% बढ़कर 25,294 पर बंद हुआ। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.46% चढ़कर 3,948 पर बंद हुआ। S&P 500 इंडेक्स 184 अंक (2.91%) बढ़कर 6,528 पर बंद हुआ।

लखनऊ कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

बीडीएस-डॉग स्क्वॉड पहुंचा, पुलिस अफसरों ने संभाला मोर्चा

- पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच में अब तक कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है।
- धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मौके पर पहुंचीं पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बुधवार को एक बार फिर से जिला न्यायालय को बम धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं और तुरंत बम निरोधक दस्ते (BDS) को मौके पर भेजा गया। यह घटना पिछले कुछ महीनों में जिला न्यायालय को मिली दूसरी धमकी है। याद रहे कि 13 फरवरी को भी न्यायालय को धमकी भरा ईमेल मिला था, जिसके बाद प्रशासन सतर्क हो गया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, धमकी भरे ईमेल में कोर्ट परिसर में बम विस्फोट करने की चेतावनी दी गई थी। सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस टीम, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने मिलकर कोर्ट परिसर में सघन जांच अभियान चलाया। पुलिस ने पूरे न्यायालय परिसर को सुरक्षा घेरे में लिया और किसी

भी संभावित खतरे को रोकने के लिए पार्किंग, कोर्ट रूम, फाइल रूम और आसपास के क्षेत्रों की बारीकी से तलाशी ली। इस दौरान चौक एसीपी राज कुमार सिंह और वजीरगंज इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी भी मौके पर मौजूद रहे और जांच का निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अब तक जांच में कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। बावजूद इसके, सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बाड़ और पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की धमकियां केवल न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता की परीक्षा नहीं होतीं, बल्कि यह समाज और नागरिकों के बीच भय और असुरक्षा का माहौल भी पैदा कर सकती हैं। प्रशासन ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

पहले भी मिल चुकी है धमकी

इससे पहले भी 13 फरवरी को लखनऊ जिला न्यायालय को इसी तरह का धमकी भरा ईमेल मिला था, जिसके बाद पूरे परिसर को खाली कराकर तलाशी अभियान चलाया गया था। हाल के समय में उत्तर प्रदेश के कई जिलों की अदालतों को भी इस तरह के ईमेल भेजे गए हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अब तक की जांच में कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। हालांकि एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पूरे परिसर में निगरानी बढ़ा दी गई है।

सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी

लगातार मिल रही धमकियों को देखते हुए जिला न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। धमकी भरे ईमेल की जांच के लिए साइबर सेल को लगाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि मेल के स्रोत और भेजने वाले की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

बेकाबू होकर घर में घुसी स्लीपर बस

ड्राइवर-कंडक्टर घायल, 35 यात्रियों में मची चीख-पुकार

तमसा संकेत, एजेंसी

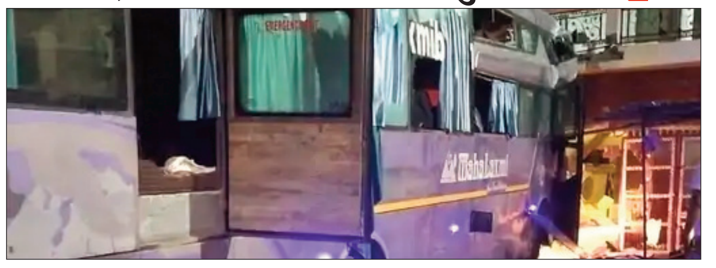

मोहनलालगंज। लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र में मंगलवार देर रात करीब 1:30 बजे स्लीपर बस बेकाबू होकर घर में घुस गई। बस वाराणसी से प्रयागराज होते हुए जयपुर जा रही थी। यह हादसा फूलवरिया मोड़ के पास हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि बस में सवार करीब 30 से 35 यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में बस चालक और कंडक्टर घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। हालांकि इस दुर्घटना में किसी भी यात्री या स्थानीय व्यक्ति की जान नहीं गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ज्योति नगर की ओर से अचानक सामने आए एक ट्रक को बचाने के प्रयास में बस चालक ने वाहन को दाहिनी ओर मोड़ा, जिससे बस अनियंत्रित हो गई और सीधे इस्लाम मोहम्मद के मकान में जा घुसी। इस टक्कर से मकान का मुख्य गेट और दीवार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घर के सदस्य मेन गेट से हट के पीछे वाले कमरे में सो रहे थे, घर मालिक सुरक्षित है। इस हादसे में बस चालक विवेक चौहान (42), निवासी कोतवाली इटावा, गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके पैर में फ्रैक्चर हुआ है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सीएचसी मोहनलालगंज से ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। बस परिचालक हर्षदीप (25), निवासी गंगानगर, राजस्थान, भी घायल हुए हैं और उन्हें इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है। बस में सवार लगभग 30-35 यात्रियों में चीख-पुकार मच गई थी। हालांकि, सभी यात्रियों को मामूली चोटें आईं और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बाद में उन्हें अन्य वाहनों से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया। घटना की सूचना मिलते ही मोहनलालगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त बस को सड़क से हटवाया, जिससे कुछ समय के लिए बाधित यातायात जल्द ही सामान्य हो गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण अचानक सामने आए ट्रक को बचाने के प्रयास में बस का अनियंत्रित होना बताया जा रहा है।

फास्ट न्यूज

परिवार को बंधक बनाकर लाखों की लूटपाट

लखनऊ। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के माई जी का पुरवा गांव में बदमाशों ने देर रात दो घरों में लाखों के गहने और अन्य सामान पार कर दिया। घटना के दौरान बदमाशों ने परिवार को बंधक बना लिया। विरोध करने पर महिला के सिर पर कट्टा तान दिया। भागते समय 5 साल की मासूम बच्ची को भी उठाकर ले गए। ग्रामीणों के पीछा करने पर कुछ दूर पर छोड़कर फरार हो गए।

नाबालिक को पिज़्ज़ा का लालच दिया, फिर होटल में किया दुष्कर्म

आगरा। आगरा के थाना सिकंदरा क्षेत्र से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक नाबालिग किशोरी को पिज़्ज़ा खिलाने का लालच देकर एक युवक कथित तौर पर होटल ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना सामने आने के बाद इलाके में आक्रोश है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक ने पहले नाबालिग को पिज़्ज़ा खिलाने और घूमाने का झांसा दिया। भरोसा जीतने के बाद वह उसे अपने साथ ले गया और फिर कथित तौर पर एक होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद जब पीड़िता घर पहुंची, तो वह बेहद सहमी हुई थी। परिजनों के पूछने पर उसने रोते हुए अपने पिता को पूरी आपबीती बताई। बेटी की बात सुनते ही परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई।

गंगा में रोजा-इफ्तार के 14 आरोपियों की पेशी आज

वाराणसी। वाराणसी में नाव को हाइजैक करके नाविक का अपहरण करने के बाद गंगा नदी में इफ्तार पार्टी करने वाले आज कोर्ट में पेश होंगे। आरोपियों की ओर से दाखिल जमानत अर्जी पर जिला जज सुनवाई करेंगे, पिछले तीन दिनों से इनकी याचिका पर तारीख दी जा रही है। अब कोर्ट ने सभी 14 आरोपियों को आज कटघरे में बुलाया है। इनके परिजनों की ओर से कोर्ट में दाखिल एफिडेविट और वकालतनामा को लेकर विसंगति पाई हैं।

भाजपा की पक्षपातपूर्ण नीतियों से व्यापार जगत में असंतुलन: अखिलेश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने बुधवार को व्यापार जगत को आगाह करते हुए कहा कि भाजपा की पक्षपातपूर्ण नीतियों ने देश के कारोबारी माहौल को असंतुलित कर दिया है। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे सरकार के अनैतिक और असमान व्यवहार के बावजूद हिम्मत न हारें। अखिलेश यादव ने कहा कि कुछ कारोबारी वैध सौदों से वंचित किए जा रहे हैं, जिससे उनके विरोध और शिकायतें बढ़ रही हैं और देश के बड़े कारोबारी इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उठा रहे हैं। उनका कहना है कि ऐसे माहौल में विदेशी निवेशकों का भरोसा भी कमजोर हो रहा है, क्योंकि उन्हें लगता है कि भारत में कारोबारियों के बीच ही बड़े स्तर पर भेदभाव किया जा रहा है, तो विदेशी निवेशक कब और कैसे प्रभावित होंगे, यह अनिश्चित है। पूर्व मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि डॉ. राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि पक्षपात के कारण उत्पन्न असमान अवसर व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को प्रतिद्वंद्विता में बदल देता है। इसका नकारात्मक असर सिर्फ़ कारोबारियों पर ही नहीं, बल्कि आम जनता और देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि असमान प्रतिस्पर्धा के कारण संसाधन आपसी संघर्ष में लगते हैं, विकास और रोजगार के अवसर घटते हैं, MSME (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) प्रभावित होते हैं, और देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुँचता है। अखिलेश यादव ने यह भी चेताया कि इस असंतुलन के कारण मंदी, बेरोज़गारी और आर्थिक संकट गहरा रहा है। अखिलेश यादव ने व्यापारियों को हिम्मत देते हुए कहा कि 'बुरे दिन जाने वाले हैं' और भाजपा के जाने के बाद ही देश में समान अवसर सुनिश्चित होंगे।

लखनऊ में यूजीसी नए नियमों के विरोध में शंख बजाकर विरोध प्रदर्शन

हाथ जोड़कर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक प्रदर्शनकारियों के पास पहुंचे

- सवर्ण मोर्चा के पदाधिकारी डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास पर विरोध प्रदर्शन किया।
- प्रदर्शनकारियों के बीच डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक हाथ जोड़े पहुंचे और झुककर प्रणाम किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सवर्ण मोर्चा ने यूजीसी के नए नियमों के विरोध में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास पर बुधवार को शंख बजाकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इसे काला कानून बताते हुए नारेबाजी की। शंखध्वनि और नारेबाजी के बीच डिप्टी सीएम हाथ जोडे.पहुंचे। प्रदर्शनकारियों के पास पहुंचते ही वे कमर तक झुकते हुए हाथ जोड़कर अभिवादन करने

लगे। जवाब में सबने उसी तरह प्रणाम किया। इसके बाद उन्होंने स्वयं कमरे का दरवाजा खोला और सभी को अंदर ले गए। संयोजक संदीप सिंह ने कहा कि उच्च शैक्षणिक संस्थानों में सवर्ण समाज को मिटाने के लिए कुचक्र रचा जा रहा है। इसे हम लोग सफल नहीं होने देंगे। जो कह रहे हैं कि किसी छात्र का लित एक्ट का जो प्रावधान है, वह तो चल ही रहा था, यूजीसी के नए नियम क्यों लाए गए हैं? अगर कोई फर्जी मुकदमा लिखवा देगा तो सवर्ण छात्र का जीवन बर्बाद हो जाएगा। इसलिए हम लोग इसका पहले दिन से विरोध कर रहे हैं, जब तक यह काला कानून पूरी तरह से वापस नहीं हो जाएगा, विरोध जारी रहेगा ।

'काला कानून की जरूरत क्यों'

बैठक से बाहर आने पर सवर्ण मोर्चा के संयोजक संदीप सिंह, प्रवक्ता पंडित अभिनव नाथ त्रिपाठी और बसंत सिंह बघेल ने बताया कि 50 से अधिक लोगों ने डिप्टी सीएम से मुलाकात की है। मोर्चा में बीजेपी और सरकार में शामिल लोग भी हैं। हम लोग यूजीसी को लेकर लगातार सवाल कर रहे हैं।

मोर्चा के पदाधिकारियों ने पूछा कि यूजीसी के नए नियम क्यों लाए जा रहे हैं। इस पर डिप्टी सीएम ने कहा कि वे खुद सामान्य वर्ग से आते हैं और अपने वर्ग के किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आवास के अंदर बैठाकर काफी देर तक बातचीत की, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन समाप्त हो गया।

डिप्टी बैंक मैनेजर की कार से मिले 6 मोबाइल

लखनऊ। गुडंबा के आदिल नगर में एक्सिस बैंक के डिप्टी मैनेजर काजी अहमद जैद (34) के आत्महत्या मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस ने उनके 6 मोबाइल मिले हैं। उनमें शेयर मार्केट में पैसा लगे होने की बात सामने आई है। पुलिस ने इन मोबाइलों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की है। उनके बैंक के ट्रांजेक्शन भी खंगाल रही है। हालांकि, उनके 6 मोबाइल रखने की जानकारी परिजनों को नहीं थी। एसीपी गाजीपुर ए. विक्रम सिंह के मुताबिक, काजी अहमद जैद की गाड़ियों की तलाशी के दौरान एक कार से 6 मोबाइल मिले हैं। शुरुआती जांच में कुछ मोबाइल में शेयर ट्रेडिंग से जुड़ी गतिविधियां सामने आई हैं। सभी मोबाइल नंबरों, कॉल डिटेल, मैसेज और व्हाट्सऐप चैट खंगाले जा रहे हैं। बैंक से जानकारी भी जुटाई जा रही है। उनके ट्रांजेक्शन से काफी कुछ पता चलने की उम्मीद है। यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि घटना से पहले जैद की आखिरी बार किससे बात हुई थी। इन सब जानकारियों के मिलने से आत्महत्या के कारणों का पता लग सकता है। पुलिस के अनुसार, मोबाइल के साथ ही जैद के बैंक स्टेटमेंट और ट्रांजेक्शन की भी जांच की जाएगी।

मुस्लिम लड़की से शादी करने वाले टीचर की पीट-पीटकर हत्या

गाजियाबाद में ससुर ने लाठी-डंडों से मारा, पत्नी 3 दिन से मायके में थी

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में एक टीचर को उसके ससुर ने पीट-पीटकर मार डाला। टीचर सोमवार देर शाम अपने छोटे भाई के साथ ससुराल जा रहा था। रास्ते में ससुर ने 4-5 साथियों के साथ मिलकर दोनों भाई पर हमला कर दिया। मौका पाकर छोटा भाई भाग निकला, जबकि टीचर को उसके ससुर ने पकड़ लिया। उसे लाठी-डंडों से जमकर पीटा और मरा समझकर छोड़कर फरार हो गए। सोमवार को पुलिस ने घायल टीचर को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया, लेकिन मंगलवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी ससुर समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। परिजनों के मुताबिक, टीचर ने एक साल पहले मुस्लिम लड़की से मंदिर में शादी की थी। घटना टीलामोड़ थाना क्षेत्र के फरुखनगर गांव की है। लोनी के

नितिन, मृतक

गीतांजलि विहार निवासी नितिन राठी (32 साल) एक प्राइवेट कॉलेज में टीचर था। वहीं उसकी मुलाकात मुस्कान से हुई, उस समय वह बीएड की पढ़ाई कर रही थी। दोनों के बीच पहले दोस्ती हुई और बाद में यह रिश्ता प्रेम में बदल गया। अलग-अलग धर्म के होने के कारण परिवार वाले शादी के लिए राजी नहीं थे। करीब एक साल पहले नितिन ने मुस्कान से आर्य समाज मंदिर में प्रेम विवाह किया। शादी सादगी से हुई, जिसमें दोनों परिवारों का कोई सदस्य शामिल नहीं हुआ। शादी के बाद नितिन और मुस्कान साथ रहने लगे। परिजनों के मुताबिक, 28 मार्च की सुबह मुस्कान सोकर देर से उठी, जिस पर नितिन ने उसे डांट दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया और मुस्कान गुस्से में मायके चली गई। देर शाम मुस्कान के चाचा आसिफ का फोन आया, जिन्होंने समझौता कराने के लिए नितिन को बुलाया, लेकिन उस दिन वह नहीं गया। अगले दिन 30 मार्च को पड़ोस में रहने वाली एक महिला ने समझौता कराने की बात कही। इसके बाद रात करीब 8 बजे नितिन अपने छोटे भाई अमित और महिला के साथ ससुराल के लिए निकला, लेकिन रास्ते में उसने महिला को घर लौटा दिया। जैसे ही दोनों भनेड़ा पुलिया के पास पहुंचे, वहां उनके ससुर मेहरुद्दीन अपने भाई आसिफ सहित 3-4 लोगों के साथ मिल गए। यहां नितिन और उनके बीच कहासुनी हो गई।

हत्या : फर्रुखाबाद में 9 महीने बाद कंकाल मिला, पत्नी सीएम ऑफिस गई तो न्याय मिला

बहन को छेड़ने वाले दोस्त को मारकर खेत में दफनाया

तमसा संकेत, एजेंसी

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद में एक युवक ने बहन से छेड़छाड़ करने वाले अपने दोस्त की हत्या कर दी। शव को घर से 1 किलोमीटर दूर खेत में गाड़ दिया। वारदात का खुलासा 9 महीने बाद हुआ है। पुलिस ने आरोपी को देहरादून से गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर उसके खेत से एक कंकाल बरामद हुआ है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि हत्या से पहले उसने दोस्त को शराब पिलाई गई, फिर गला घोंटकर मार दिया। मृतक की पत्नी पिछले 9 महीनों से अपने पति की तलाश में अधिकारियों के चक्कर काट रही थी। मुख्यमंत्री ऑफिस में शिकायत के बाद पुलिसवाले हरकत में आए और मामला खुला। पूरी घटना अमृतपुर थाना क्षेत्र के गुजरपुर पमारान गांव की है। 20 जुलाई, 2025 की शाम करीब 7 बजे ओमवीर अपनी दुकान पर था। तभी पड़ोसी रामू यादव

ओमवीर, मृतक

(25) वहां आया। रामू टेंट लगाने का काम करता था। उसने ओमवीर से साथ चलने को कहा। ओमवीर ने दुकान बंद की और घर पहुंचा। ओमवीर की मां राजेश्वरी देवी ने सपा नेता और पूर्व प्रधान देवेंद्र यादव समेत 6 लोगों के खिलाफ शिकायत दी। करीब डेढ़ महीने बाद, 31 अगस्त को पत्नी धर्मशीला ने मुख्य आरोपी रामू यादव, सपा नेता पूर्व प्रधान देवेंद्र यादव, गुलाब सिंह उर्फ तिलक, सुरजीत यादव, श्यामवीर और बंटी उर्फ रामऔतार के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया।

तीन साल पहले युवक की हुई थी शादी

गुजरपुर पमारान गांव का रहने वाला ओमवीर (26) साइकिल मिस्त्री था। गांव में उसकी छोटी सी दुकान थी। तीन साल पहले उसकी शादी शाहजहांपुर की धर्मशीला से हुई थी। अभी उनके कोई बच्चे नहीं थे। परिवार में दो भाई राजवीर और राहुल हैं। तीन बहनें हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। ओमवीर के पिता की 2015 में सर्पदंश से मौत हो गई थी।

खुलासे के लिए कई टीमें लगाई गईं

कई महीनों तक मामले की जांच चलती रही। खुलासे के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। आसपास के जिलों में भी तलाश की गई, लेकिन ओमवीर का कोई सुराग नहीं मिला। इस दौरान पत्नी धर्मशीला लगातार न्याय के लिए अधिकारियों के चक्कर लगाती रहीं। बाद में उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय में भी शिकायत की। करीब 9 महीने बाद, 31 मार्च 2026 की रात पुलिस ने मुख्य आरोपी रामू को देहरादून से गिरफ्तार किया। थाना अमृतपुर प्रभारी रक्षा सिंह के नेतृत्व में एसओजी और सर्विलांस टीम ने पूछताछ की। सख्ती से पूछताछ में आरोपी रामू यादव ने हत्या की बात कबूल ली।

पत्नी धर्मशीला से खाना लगाने के लिए कहा, लेकिन बिना खाना खाए वह रामू के साथ चला गया। देर रात तक वह घर नहीं लौटा। परिजनों ने तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सख्ती से पूछताछ में आरोपी रामू यादव ने हत्या की बात कबूल ली।

पृष्ठ 01 का शेष...

ईरान ने बहरीन में ...

उससे उन्हें कोई चिंता नहीं है, क्योंकि वह जमीन के अंदर है और आसानी से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। अमेरिका पहले ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी नुकसान पहुंचा चुका है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका जल्द ही ईरान से बाहर निकल जाएगा और इसके बाद तेल की कीमतें भी कम हो सकती हैं। इस युद्ध की वजह से थोड़ी परेशानी जरूर हो रही है, लेकिन इससे अमेरिका ज्यादा सुरक्षित हुआ है क्योंकि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं है। होर्मुज स्ट्रेट के बारे में उन्होंने कहा कि अब इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका नहीं लेगा। जो देश इस रास्ते से तेल ले जाते हैं, उन्हें खुद अपनी सुरक्षा करनी होगी। ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के कई बड़े नेताओं को खत्म कर दिया है और वहां की स्थिति बदल दी है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उनका मकसद सरकार बदलना नहीं था, बल्कि सिर्फ यह सुनिश्चित करना था कि ईरान परमाणु हथियार न बना सके। मलेशिया सरकार का कहना है कि उनके जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के लिए ईरान को कोई टोल नहीं दे रहे हैं। सरकार के मंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया पर फैली यह खबर गलत है और मलेशिया ने किसी तरह का भुगतान नहीं किया है। युद्ध शुरू होने के बाद दुबई में रह रहे 1,262 ईरानी नागरिक अपने देश लौट चुके हैं। सीधी उड़ानें बंद होने के कारण लोग अफगानिस्तान और आर्मेनिया के रास्ते ईरान पहुंच रहे हैं। ईरान सरकार ने UAE से और लोगों को जहाज और खास फ्लाइट के जरिए वापस लाने की मांग की है। वहीं, दुबई की एयरलाइंस ने ईरानी नागरिकों के एंट्री और ट्रांजिट पर रोक लगा दी है।

अमरावती को...

जिसे 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था। लोकसभा ने जन विश्वास (संशोधन) बिल, 2026 को पास कर दिया है। इस बिल में छोटे-मोटे और तकनीकी उल्लंघनों पर जेल की सजा हटाकर जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस (CAPF) बिल, 2026 देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि इस बिल का मकसद सर्विस नियमों, कैडर मैनेजमेंट और नियुक्तियों में मौजूद असमानताओं को दूर करना है, ताकि बलों की कार्यक्षमता और मनोबल बेहतर हो सके। समय के साथ CAPF की भूमिका बढ़ी है, जिससे अलग-अलग नियम और प्रशासनिक तरीके बन गए थे, जिनसे भ्रम और कामकाज में दिक्कतें आ रही थीं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (IBC) कंपनियों को बंद करने के लिए नहीं लाया गया था। इसका मकसद उन कंपनियों की समस्याओं को सुलझाना है, जो आर्थिक दबाव में हैं। ताकि वे फिर से संभल सकें और पहले की तरह काम कर सकें। शिवसेना (UBT) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि जिस तरह देश में विभाजनकारी सोच लाई गई है, उसी तरह सशस्त्र बलों में भी विभाजन की कोशिश की जा रही है। इस मुद्दे पर सभी की राय सुनना और भरोसा जीतना जरूरी था, लेकिन यहां ऐसा कुछ किया गया है जिससे निराशा बढ़ी है। उन्होंने कहा कि बिल सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ है। सरकार मनमाने तरीके से काम कर रही है। इसी के विरोध में हमने आज वॉकआउट किया है। सरकार ने राज्यसभा में बताया कि 2011 से अब तक नेशनल साइक्लोन रिस्क मिटिगेशन प्रोजेक्ट (NCRMP) के तहत कुल 4,331.68 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। यह प्रोजेक्ट तटीय राज्यों में चक्रवात के असर को कम करने के लिए शुरू किया गया था।

कांग्रेस के ...

पिछले हफ्ते भी खराब मौसम के कारण उनका विमान कोलकाता एयरपोर्ट पर तुरंत नहीं उतर सका था और करीब एक घंटे बाद लैंडिंग हुई थी। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने घरेलू सामान खरीदने के लिए लोगों को 8,000 रुपए का कूपन देने का ऐलान किया है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान कहा- इन 8 हजार रुपए से लोग टीवी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन जैसे जरूरी घरेलू सामान खरीद सकेंगे। उन्होंने आगे कहा- पहले स्कूल के छात्रों को लैपटॉप दिए जाते थे, लेकिन DMK सरकार के तहत अब 10 लाख कॉलेज छात्रों को लैपटॉप दिए गए हैं। कांग्रेस के प्रचार के लिए असम के शिवसागर पहुंची कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- यह एक भ्रष्ट सरकार है। लोग देख सकते हैं कि कैसे सब कुछ धमकियों के जरिए किया जा रहा है। यहां माफिया राज है, सिंडिकेट राज है।

पंजाब बीजेपी ...

टीम ने विस्फोटक के टुकड़ों की भी जांच की। पुलिस को CCTV में 2 संदिग्ध नजर आए हैं। ये दोनों बाइक पर BJP ऑफिस के आसपास आते-जाते नजर भी आ रहे हैं। इनकी तलाश की जा रही है। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (AGTF) भी मौके पर पहुंच गई है। इस वारदात की जिम्मेदारी एक खालिस्तानी आतंकी ने ली है। उसकी तरफ से लिखा गया है- सुखजिंदर सिंह बब्बर 1 अप्रैल 2026 को चंडीगढ़ सेक्टर-37 में हुए ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी लेता है। हम भारतीय सिस्टम को बताना चाहते हैं कि उसके पास पंजाब के सिख युवाओं को खत्म करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है। बैंकों का इस्तेमाल करो।

भाजपा में कुशल अधिकारियों की कोई अहमियत नहीं: अखिलेश

तमसा संकेत, संवाददाता

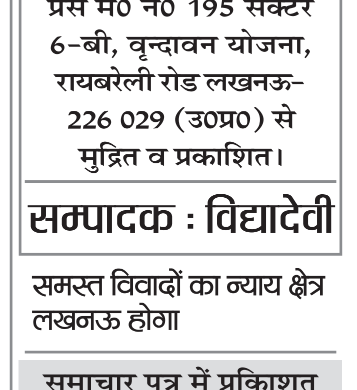

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि भाजपा सरकार में कुशल और ईमानदार अधिकारियों की कोई अहमियत नहीं है। उनका कहना है कि भाजपा में केवल वही लोग महत्व रखते हैं जिनके पैसे की चोरी हो या जो निवेश में असमान और अनुचित लाभ लेते हैं। अखिलेश यादव ने सभी अधिकारियों से अपील की कि वे भावावेश में आकर जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें, क्योंकि जल्द ही "बुरे दिन जाने वाले हैं"। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीडीए की सरकार आने पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उचित सम्मान, स्थान और अवसर मिलेगा, क्योंकि पीडीए जनता की सरकार होगी और असमानताओं को दूर करने व विकास के काम को प्राथमिकता देगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि क्वालिटी वर्क और तय समय में काम पूरा करने के लिए बेहतरीन और सक्षम अधिकारियों की हमेशा ज़रूरत होती है, और पीडीए हमेशा अपने काम में पारंगत अधिकारियों की क़द्र करेगी। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि भाजपा की नीतियों से पीड़ित अधिकारी और कर्मचारी पीडीए के साथ खड़े हैं। उन्होंने जोर देकर कहा: "जो पीड़ित, वो पीडीए", और एक बार फिर दोहराया कि बुरे दिन जाने वाले हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि क्वालिटी वर्क और तय समय में काम पूरा करने के लिए बेहतरीन और सक्षम अधिकारियों की हमेशा ज़रूरत होती है, और पीडीए हमेशा अपने काम में पारंगत अधिकारियों की क़द्र करेगी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676